ई–गाइडेंस की प्रस्तुती

S.S.C.
QUESTION BANK

कक्षा–दसवी

विषय: हिंदी (संयुक्त)

मुनव्वर मालिक

मुंबई उर्दू हायस्कूल, अंधेरी (प)

9768205400

विभाग १

खोया हुआ आदमी

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

खोए हुए आदमी के गीत से प्रभावित होने वाले :

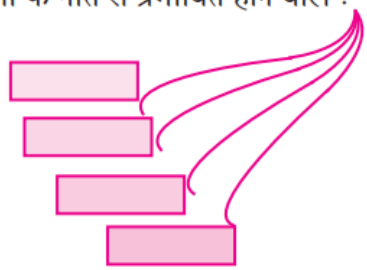

(२) उत्तर लिखिए :

खोए हुए आदमी के आने से गाँव की बदली हुई स्थिति

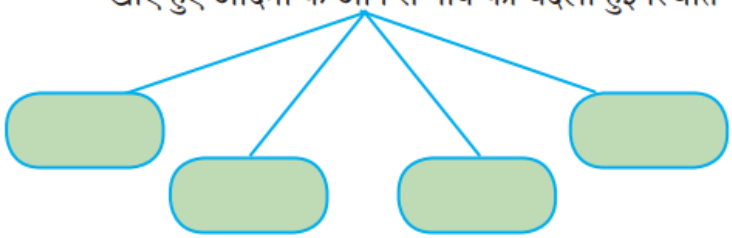

(३) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों :

भविष्यवाणी, झमाझम बारिश, खुशहाली , गंधक

(४) दिए गए निर्देश के अनुसार परिवर्तन कीजिए :

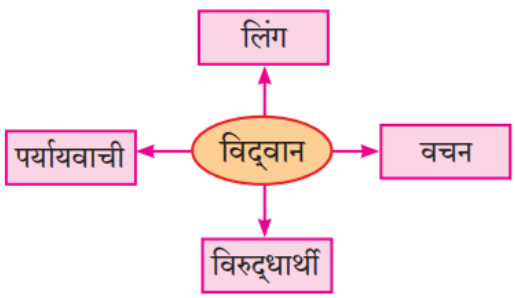

(५) 'वाणी की मधुरता' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

E-GUIDANCE

परिच्छेद पर आधारित कृतियाँ :–

* भले ही आपने उसे .....
उपयोग हो सकते हैं ।

(१) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :

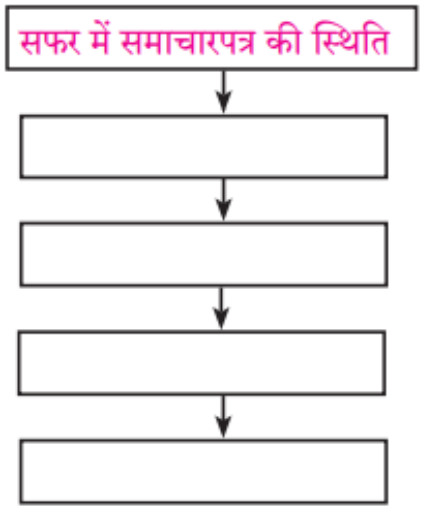

(२) लिखिए :

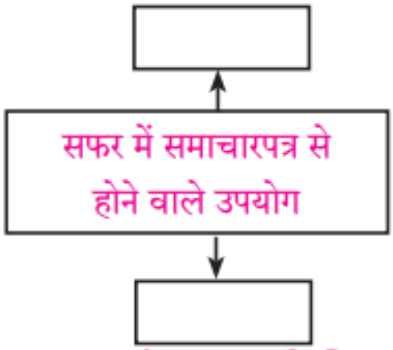

(३) सूचना के अनुसार लिखिए :

१. परिच्छेद में प्रयुक्त समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द ढूँढ़कर लिखिए ।

२. परिच्छेद में प्रयुक्त 'शब्दयुग्म' ढूँढ़कर लिखिए ।

(४) समाचारपत्र की आवश्यकता के बारे में अपने विचार लिखिए ।

E-GUIDANCE

सफर का साथी और सिरदर्द

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–**

(१) असत्य विधान को सत्य करके लिखिए :

(क) लेखक को सुपरफास्ट ट्रेन के बजाय एक्सप्रेस से यात्रा करना ज्यादा पसंद नहीं है ।

(ख) लेखक को पेटदर्द हो रहा था ।

(ग) लेखक को भागते वृक्षों का साथ निभाने में कम मजा आता था ।

(घ) सभी सिरवालों को सिरदर्द होना अस्वाभाविक है ।

(२) लिखिए :

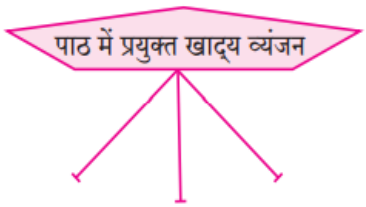

(३) पाठ में प्रयुक्त रेल विभाग से संबंधित शब्दों की सूची बनाइए :

_____

_____

_____

_____

(४) कारण लिखिए :

१. कभी-कभी 'मेल' को रोककर 'माल' को पास करना पड़ता है ।

२. लेखक को सिरदर्द की गोली लेनी पड़ी ।

(५) दिए गए शब्दों से तद्धित तथा कृदंत शब्द बनाइए :

तद्धित	कृदंत
------	------
------	------
------	------
------	------

'मेक इन इंडिया' नीति पर अपने विचार लिखिए ।

E-GUIDANCE

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

(२) कृति में जानकारी लिखिए :

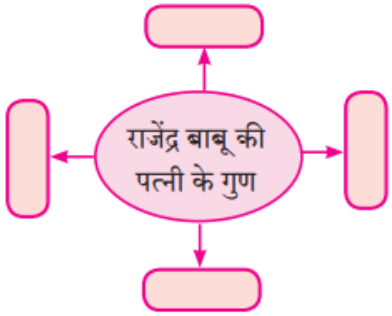

(३) उत्तर लिखिए :

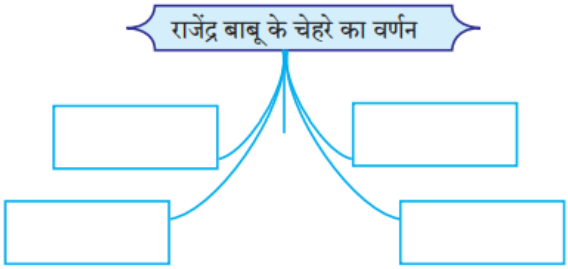

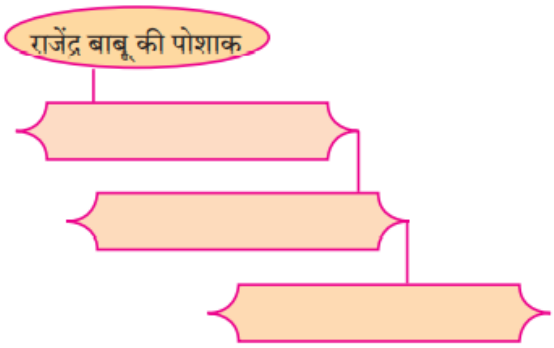

(४) निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय और मूलशब्द अलग करके लिखिए :

प्रत्यय साधित शब्द	प्रत्यय	मूलशब्द
बुद्धिमान पारिवारिक रोमिल ममतालु		

E-GUIDANCE

(५) उपसर्ग तथा प्रत्यययुक्त शब्द बनाकर लिखिए :

	उपसर्गयुक्त शब्द	मूल शब्द	प्रत्यययुक्त शब्द
१.	--------	आवश्यक	--------
२.	--------	कर्म	--------
३.	--------	समय	--------

	उपसर्गयुक्त शब्द	मूल शब्द	प्रत्यययुक्त शब्द
४.	--------	हृदय	--------
५.	--------	सफल	--------
६.	--------	चंचल	--------

'सादा जीवन, उच्च विचार' विषय पर अपने विचार लिखिए।

E-GUIDANCE

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

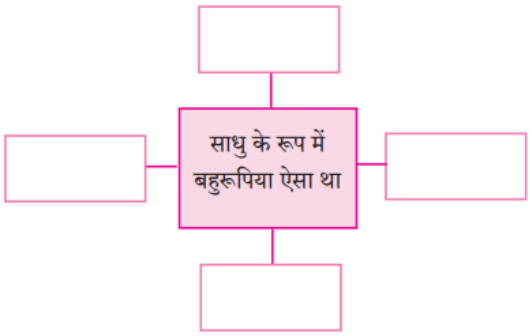

(२) परिणाम लिखिए :

१. बीमार सेठानी पर धूनी की चुटकी भर राख का –

२. बहुरूपिये की वास्तविकता जानने के उपरांत सेठ जी की स्थिति –

(३) निम्नलिखित विधान सही करके लिखिए :

१. बहुरूपिये हू-बू-हू उसी तरह का व्यवहार करके प्रायः लोगों को भ्रम में नहीं डालते थे ।

२. एक बार सेठ जी बीमार हो गए ।

३. सेठानी कभी-कभी आने लगी ।

४. साधु ने झगड़ा करके सेठ को लौटा दिया ।

(४) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :

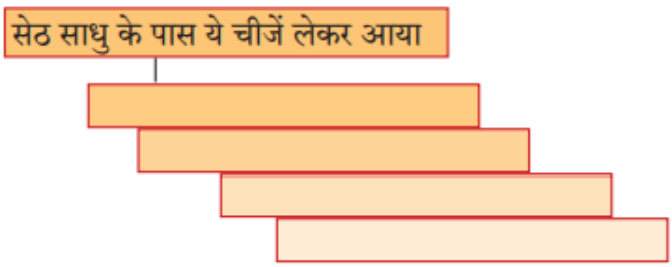

(५) निम्नलिखित वाक्यों को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए :

१. सेठ जी द्वारा सेठानी को साधु के पास ले जाना ।

२. बहुरूपिये का साधु का रूप लेना ।

३. सेठानी का बीमार होना ।

४. धीरे-धीरे सेठानी की तबियत सुधरना ।

E-GUIDANCE

(६) इन कृदंत शब्दों की मूल क्रियाएँ लिखिए :

१. झुकाव = ☐

२. सोच = ☐

३. बनावट = ☐

४. लगाव = ☐

(७) 'कला के प्रति ईमानदारी ही सच्चे कलाकार की पहचान है।' इस सुवचन पर अपने विचार लिखिए।

'सहयोग से कठिन कार्य की पूर्ति होती है' विषय पर अपने विचार शब्दांकित कीजिए।

E-GUIDANCE

मुकदमा

❊ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

१.पानी की मनमानी

२. पानी यहाँ बरसता है

(२) उचित विकल्प चुनकर विधान पूर्ण कीजिए :

१. हवा बदबूदार होने का कारण है कि --------

(अ) हवा बहती नहीं है ।

(आ) हवा में कारखानों की गंदगी और गैसें होती हैं ।

(इ) हवा दूर-दूर से आती है ।

२. हवा पर आरोप लगाया गया था कि --------

(अ) हवा में शुद्धता नहीं होती ।

(आ) हवा में नमी नहीं होती ।

(इ) हवा में खुशबू नहीं होती ।

(३) कारण लिखिए :

१. पानी अशुद्ध होने के कारण –

१.

२.

३.

४.

(४) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों :

१. जोहड़ २. साफ-सुथरे

'बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के उपाय' पर अपने विचार लिखिए ।

E-GUIDANCE

मुकदमा

(५) (अ) वृत्त में दिए शब्दों के लिंग तथा वचन के अनुसार वर्गीकरण कीजिए :

स्त्रीलिंग	पुलिंग	एकवचन	बहुवचन

E-GUIDANCE

विभाग २
सोंधी सुगंध

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–**

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

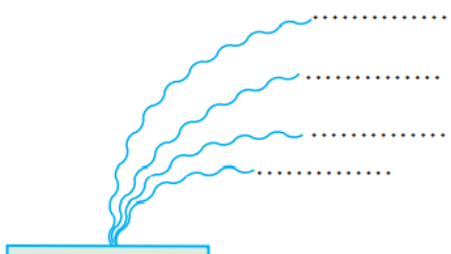

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

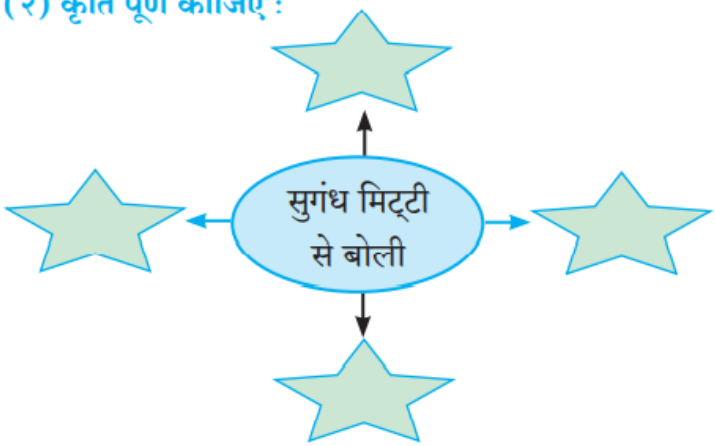

(४) उपसर्ग–प्रत्यय लगाकर शब्द लिखिए :

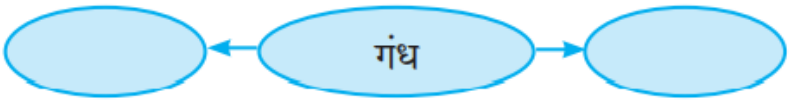

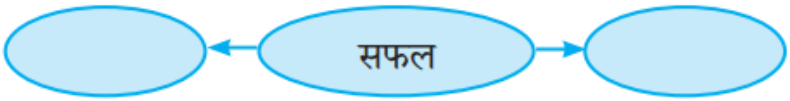

निम्नलिखित पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए ।

सोंधी–सोंधी–सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं ।

चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा ।

E-GUIDANCE

मातृभूमि

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–**

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

१. फूलों की विशेषताएँ

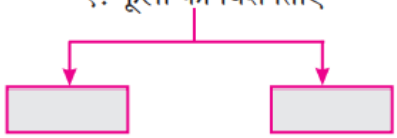

२. जन्मभूमि की विशेषताएँ

(३) कृति पूर्ण कीजिए :

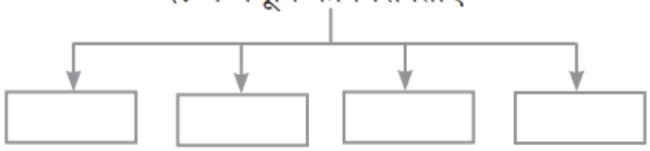

विशेषताएँ

पानी

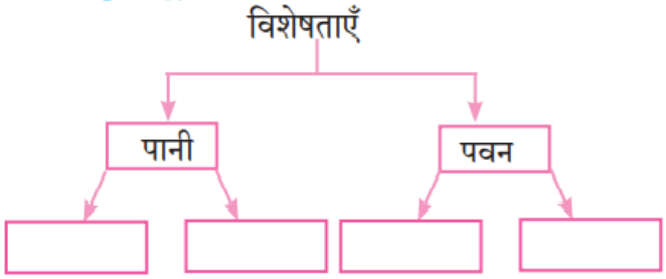

पवन

(४) संजाल पूर्ण कीजिए :

मातृभूमि इनसे सुशोभित है

निम्नलिखित पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए ।

सुरभित, सुंदर, सुखद सुमन तुझपर खिलते हैं,
भाँति-भाँति के सरस, सुधोपन फल मिलते हैं ।
औषधियाँ हैं प्राप्त एक-से-एक निराली,
खानें शोभित कहीं धातु वर रत्नोंवाली ।

E-GUIDANCE

ऐसा वसंत कब आएगा ?

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

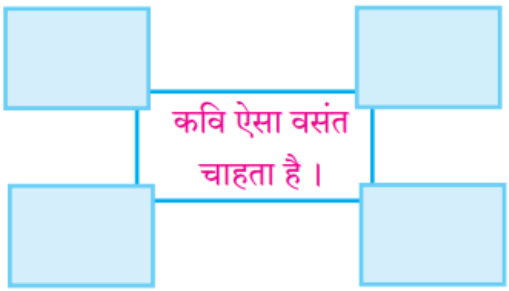

* सूचनानुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) तुलना कीजिए :

प्राकृतिक वसंत	कवि मन की कल्पना का वसंत

(२) उत्तर लिखिए :

क. वसंत के अलावा पद्य में प्रयुक्त दो ऋतुएँ = _____ , _____

ख. सबके लिए समान है = _____ , _____

निम्नलिखित पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए ।

सबको दे भोजन, वसन, भवन
जिससे जीवन में रस छाए,
खिल जाएँ अधर, हँस दें आँखें,
ऐसा वसंत जग में आए !
ऐसा वसंत तो ग्रीष्म-शिशिर
में भी वसंत कहलाएगा !
ऐसा वसंत कब आएगा ?

E-GUIDANCE

जिन ढूँढा

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :

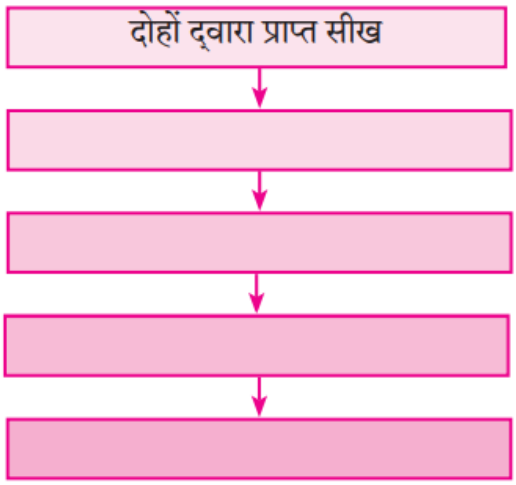

(२) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :

अ	उत्तर	आ
गुरु		कुंभ
पंथी		छाया
फूल		सिष
कुम्हार		बौरा
		काँटा

(४) दोहों में आए सुवचन :

१. _____

२. _____

E-GUIDANCE

जिन ढूँढा

(३) शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए :

१. कस्तूरी की खोज करने वाला →
२. किनारे पर बैठा रहने वाला →
३. तीन नोकों वाला अस्त्र →
४. जो बलहीन है →

(६) दोहों में प्रयुक्त निम्न शब्दों के दो–दो अर्थ लिखिए :

१. मृग <
२. कुंभ <
३. फल <
४. बाल <

कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय ।।

निम्नलिखित पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।

गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़–गढ़ काढ़ै खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट ।।

E-GUIDANCE

अति सोहत स्याम जू

⁕ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

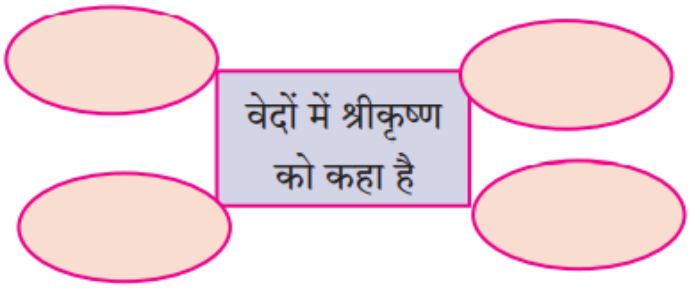

वेदों में श्रीकृष्ण को कहा है

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

श्री कृष्ण की महिमा का निरंतर गायन करने वाले

----

(४) अ) पद्य में उल्लिखित पक्षी ---------, ---------

आ) कृष्ण द्‌वारा पहने हुए वस्त्र ---------, ---------

(५) पद्य में इस अर्थ में आए शब्द :

१. शोभा देता है = ______

२. ग्वाल-बालाएँ = ______

३. गोरस देने वाली = ______

४. शुक मुनि = ______

(६) १. निम्न शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए :

चोटी = ---------, = ---------

व्यास = ---------, = ---------

२. शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए :

१. जिसके कोई खंड नहीं होते – ....

२. छाछ रखने का छोटा पात्र – ....

३. जिसका कोई अंत नहीं होता – ....

४. जो सदैव चलता रहता है – ....

निम्नलिखित पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए ।

धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी ।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनि बाजति, पीरी कछोटी ।।
वा छबि को 'रसखान' बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी ।
काग के भाग कहा कहिए, हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी ।।

E-GUIDANCE

मानक वर्तनी के अनुसार लेखन

अंक: ०१

अ क्र	शब्द	अ क्र	शब्द
१	विश्वास	१८	सुरक्षित
२	मस्तक	१९	दुर्बल
३	पत्थर	२०	कस्तूरी
४	कुरीति	२१	शिष्य
५	चिह् न	२२	त्रिशूल
६	इकठ्ठा	२३	व्यक्तिमत्व
७	खूबसूरत	२४	आकृति
८	विद् यापीठ	२५	राष्ट्रपति
९	बुद्धी	२६	विस्मय
१०	परीक्षार्थी	२७	कर्मभूमि
११	संयोग	२८	पुलिंदा
१२	सम्मोहित	२९	पर्ची
१३	चक्रवात	३०	आश्वस्त
१४	प्रशंसक	३१	किंतु
१५	विशिष्ट	३२	मुँह
१६	उत्सुकता	३३	गँवाते
१७	निश्चल	३४	विद् या

E-GUIDANCE

मानक वर्तनी के अनुसार लेखन **अंक: ०१**

अक्र	शब्द	अक्र	शब्द
३५	अभिषेक	५२	खिलौना
३६	मातृभूमि	५३	मुश्किल
३७	औषधियाँ	५४	प्रसिद्ध
३८	शांति	५५	मिट्टी
३९	आशीर्वाद	५६	ऋतुएँ
४०	अविश्वास	५७	कालिंदी
४१	शुभचिंतक	५८	पैंजनी
४२	परिक्षा	५९	घूँघट
४३	अपनापन	६०	निरंतर
४४	संतुष्ट	६१	निवृत्त
४५	कार्यवाही	६२	हरियाली
४६	गह् वर	६३	नागरिक
४७	अनुकूल	६४	महोत्सव
४८	प्रदूषण	६५	प्रसून
४९	जिंदगी	६६	सर्जन
५०	अनुभव	६७	सिमित
५१	उम्मीद	६८	संस्कृति

E-GUIDANCE

अव्यय का वाक्य में प्रयोग

अंक: ०१

अ क्र	अव्यय	वाक्य	
१.	बाप रे !		
२.	तथा		
३.	के पीछे		
४.	सहसा		
५.	परंतु		
६.	अरेरे !		
७.	के सामने		
८.	धीरे– धीरे		
९.	छि : !		
१०.	इसलिए		
११.	ऊपर		
१२.	के अलावा		
१३.	कि		
१४.	पास		
१५.	के कारण		
१६.	शीघ्र		
१७.	के भीतर		

E-GUIDANCE

अ क्र	अव्यय	वाक्य	
१८	ओह !		
१९	और		
२०	हाँ !		
२१	के कारण		
२२	या		
२३	अथवा		
२४	लेकिन		
२५	किंतु		
२६	के साथ		
२७	लगातार		
२८	वाह !		
२९	आज		
३०	के आगे		
३१	के भीतर		
३२	की ओर		
३३	के ऊपर		
३४	व		

E-GUIDANCE

मुहावरें

अ क्र	मुहावरे	अभ्यास	अर्थ
१.	आगाह कर देना		सचेत करना
२.	खाली हाथ लौटना		कुछ भी ना पाना
३.	जमीन का निगल जाना		लापता हो जाना
४.	चक्कर काटना		फेरे लगाना
५.	चौपट हो जाना		नष्ट होना
६.	जेब गरम करना		रिश्वत देना
७.	नाक–भौं–सिकोड़ना		अप्रसन्नता दिखाना
८.	पाला पड़ना		सामना होना
९.	मन मारना		इच्छा को दबाना
१०.	मुँह लटकाना		उदास होना
११.	सिर खाना		परेशान करना
१२.	बाल बाँका न होना		कुछ न बिगड़ना
१३.	अंक में भरना		गले लगाना
१४.	आँखे खुली रह जाना		आश्चर्यचकित होना
१५.	मन कचोटना		बहुत दुखी होना
१६.	जी चुराना		मेहनत से भागना
१७.	मुँह ताकना		दुसरे पर आश्रित होना

E-GUIDANCE

अ क्र	मुहावरे	अभ्यास	अर्थ
१८.	मुँह मोड़ना		पीछे हटना
१९.	आसमान से गिरना		धोखा खाना
२०.	डेरा लगाना		निवास के लिए जम जाना
२१.	आँखे मूँदकर चलना		बिना सोचे विचारे काम करना
२२.	मौत के मुँह में जाना		जान बूझ कर खतरा मोल लेना
२३.	भुलावा हो जाना		भ्रम हो जाना
२४.	भरा–पूरा अनुभव करना		संतुष्ट हो जाना
२५.	यादों में जाग उठना		पुरानी याद ताजा होना
२६.	खाली हाथ लौटना		कुछ भी ना पाना
२७.	बिना सिर पैर की बात करना		व्यर्थ की बातें करना
२८.	दंग रह जाना		आश्चर्यचकित होना
२९.	कसर न छोड़ना		खूब प्रयत्न करना
३०.	रंग ज़माना		प्रभाव डालना
३१.	आँख भर आना		आँसू आना
३२.	जहर उगलना		अनुचित बात बोलना
३३.	मन मचलना		इच्छा होना
३४.	जी जलना		क्रोध आना

E-GUIDANCE

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल पहचान कर लिखिए।

अ.क्र.	वाक्य	उत्तर
१	गांव के बच्चे खेल रहे थे।	
२	वह आदमी भी उस गांव में रहने के लिए तैयार हो गया।	
३	वह आसानी से समस्याओं के हल ढूंढ लेता है।	
४	वह गायब हो चुका था।	
५	उनकी वेशभूषा की ग्रामीणता तो और भी दृष्टि को उलझा लेती थी।	
६	किसी दूसरे मांगने वालों की और इस तरह से बढा देंगे।	
७	कहाँ तक चल रहे हैं।	
८	लोगों के बिल बनाते– बनाते अपना भी वेतन निकल जाता है।	
९	कल क्या खाया था ?	
१०	बांसी पूरी– कचौड़ी को उबलती कड़ाही में डालकर सादा के नाम पर बेचते थे।	
११	तभी तीर की तरह शब्द उछलेगा।	
१२	विजय लड़ते लड़ते शहीद हो गया।	
१३	आजकल बाजार में बनावटी चेहरे बिकते हैं।	
१४	जवान ने मन– ही –मन दृढ़ निश्चय कर लिया था।	
१५	लेखिका शीतावकाश में घर भागलपुर जा रही थी।	
१६	टोपी की कोर माथे पर पट्टी की तरह लिपटी हुई थी।	
१७	भवन की तत्कालीन स्वामिनी ने मुझे अंक में भर लिया।	
१८	गांव वाले भी खूब परिश्रम कर रहे थे।	
१९	तुम बच्चों पर अन्याय कर रही हो।	
२०	बच्चे ने चित्र बनाया।	
२१	भाभी भोजन तैयार कर रही थी।	

E-GUIDANCE

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल पहचान कर लिखिए।		
अ.क्र.	वाक्य	उत्तर
२२	तोता बोल रहा था।	
२३	साधु का नाम चारो और फैलता जा रहा था।	
२४	साधु ने गंभीर चेहरा बनाकर डोली का पर्दा उठाया।	
२५	इनाम तो मैं तुझे दूँगा।	
२६	मैं संसार त्यागी महात्मा का रूप धारण किए हुए हूँ।	
२७	मंत्री जी शिकायत करने वाले लोग आ गए हैं।	
२८	धीरे–धीरे सांस लेना मुश्किल हो रहा है।	
२९	लोगों को सफाई की आदत अपनानी होगी।	
३०	तभी ये दूषित होने से बचेंगे।	
३१	वह कमरे में बैठा है।	
३२	अमन गृहकार्य पूरा कर रहा होगा।	
३३	जहरीले सांप को पकड़ लिया गया।	
३४	मीना को दौड़ में प्रथम पुरस्कार मिल रहा है।	
३५	हथेलियां महक से गमगमा गई।	
३६	रात भर उसकी महक घर में चलती रहती है।	
३७	आप ऊंचे लोगों को ही देखते रहेंगे।	

E-GUIDANCE

सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए

१. किसी प्राकृतिक मनोरम दृश्य को देखना चाहता हूं | अपूर्ण भूतकाल

२. एक दूसरे से जुदा होकर पूरे डिब्बे के चक्कर काटने लगेंगे | सामान्य वर्तमान काल

३. मुझे अभिवादन का ध्यान आया | पूर्ण भूतकाल

४. मानो वे किसी हड़बड़ी में चलते कपड़े पहन कर आए हैं | सामान्य भूतकाल

५. पानी अब निर्मल नहीं रहा है | सामान्य भविष्यकाल

६. मुझे देखते ही चाय हाजिर कर देती है | पूर्ण वर्तमान काल

७. वह तुम्हें हमेशा बुरा भला ही कहती है | अपूर्ण वर्तमान काल

८. वह छोटा सा कस्बा ही हमारी जन्म और कर्म भूमि रहा है | सामान्य भविष्य काल

९. वह बचपन के अपने कमरे में घुसा | अपूर्ण भूतकाल

१०. उनके अंदर भी भारतीय संस्कार विकसित होकर रहेंगे | सामान्य भूतकाल

११. मैंने परछत्ती को धो –पोंछकर अपना घर बनाया था | पूर्ण वर्तमान काल

१२. पढ़ना भी नहीं आता था | सामान्य भविष्य काल

१३. कलाकार का कर्म समूची दुनिया के होने में कोई फर्क डाल सकता है ? अपूर्ण वर्तमान काल

१४. कुछ दिन हुए एक अमीर की औरत आई | पूर्ण भूतकाल

कवि अगले जन्म में गोकुल गांव का ग्वाला बनना चाहता है | अपूर्ण वर्तमान काल

१५. कृष्णा पूरे आंगन में खाते –खेलते घूम रहे हैं | सामान्य भविष्य काल

१६. कृष्ण के सिर पर मोर मुकुट शोभायमान है | अपूर्ण भूतकाल

१७. वनमाला शोभा दे रही है | सामान्य वर्तमान काल

E-GUIDANCE

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल पहचान कर लिखिए ।

अ.क्र.	संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
१	दंडकारण्य	दंडक + अरण्य	स्वर संधि
२	उद्धार		
३	धर्मावतार		
४	निर्विवाद		
५	संयोग		
६	युवावस्था		
७	सम्मोहित		
८	अत्याचार		
९	सूर्योदय		
१०	उपेक्षा		
११	निश्चल		
१२	अतएव		
१३	देवालय		
१४	दुर्बल		
१५	वागीश		
१६	उच्चारण		
१७	दुर्लभ		
१८	महात्मा		
१९	अनासक्त		
२०	अंतश्चेतना		
२१	संतोष		

E-GUIDANCE

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल पहचान कर लिखिए।

अ.क्र.	संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
२२	सदैव		
२३	सज्जन		
२४	नमस्ते		
२५	स्वागत		
२६	दिग्दर्शक		
२७	यद्यपि		
२८	दुस्साहस		
२९	दिग्गज		
३०	राघवेंद्र		
३१	संयुक्त		
३२	संस्कार		
३३	उद्गम		
३४	शांति		
३५	निर्मल		
३६	सर्वेश		
३७	महात्मा		
३८	संयोग		
३९	निष्कपट		
४०	स्वागत		
४१	महोत्सव		
४२	निश्चय		

E-GUIDANCE

विराम चिन्ह

अ.क्र.	विरामचिन्हे	सराव	उत्तर
१	.		पूर्णविराम
२	;		अर्धविराम
३	,		अल्पविराम
४	?		प्रश्नवाचक चिन्ह
५	!		विस्मयादिबोधक चिन्ह
६	:		अपूर्णविराम
७	‘ ’		इकहरा अवतरण चिन्ह
८	“ ”		दुहरा अवतरण चिन्ह
९	–		योजक चिन्ह
१०	——		निर्देशक चिन्ह
११	×××		अपूर्ण सूचक
१२	——०——		स्माप्तीसूचक सूचक

E-GUIDANCE

पत्र लेखन

ओंकार / अनीता आपटे, 27, लताकुंज, सदाशिव पेठ, पुणे से व्यवस्थापक, नवयुग स्पोर्ट्स, कोल्हापुर को खेल की सामग्री मंगवाने हेतु पत्र लिखता / लिखती है ।

दिनांक २० मार्च २०२०

प्रति,
माननीय व्यवस्थापक जी,
नवयुग स्पोर्ट्स, कोल्हापुर
navyugsports@xyz.com

विषय: क्रिकेट खेल की सामग्री मंगवाने हेतु प्रार्थना पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं आपका पुराना ग्राहक हूँ | अपने प्रशिक्षण काल में मैंने अपने लिए आपके यहाँ से खेल सामग्री मंगवाई थी | मुझे जिन चीजों की आवश्यकता होती थी आप जल्द से जल्द पहुंचा देते थे | आज मैं स्वयं प्रशिक्षक हो गया हूं | इसलिए कुछ चीजों की आवश्यकता है | उन चीजों की सूची साथ भेज रहा हूं | शेष रकम सामग्री मिलते ही आपको भेज दी जाएगी |

क्रिकेट खेल की सामग्री

क्र.	खेल सामग्री	संख्या
१	बेट	१० नग
२	पेड	१२ नग
३	ग्लव्ज	१२ नग
४	गार्ड्स	८ नग
५	बेल्स	१२ नग

E-GUIDANCE

आशा है यह खेल सामग्री आप जल्द भेजने की कृपा करेंगे ।
धन्यवाद

भवदीय,

ओंकार आपटे,
27, लताकुंज, सदाशिव पेठ, पुणे
Omkarapte@xyz.com

अन्य पत्र इस तरह के हो सकते हैं |

१. प्रबंधक बीएसएनएल इंटरनेट प्रभाग को पत्र लिखकर खराब कनेक्टिविटी के संबंध में शिकायत

२. प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक बदलापुर को नया बचत खाता खोलने के लिए आवेदन पत्र

३. प्रधानाध्यापक ८ दिन की छुट्टी हेतु पत्र

४. अपने चाचा को जन्मदिन पर प्राप्त उपहार के लिए धन्यवाद पत्र

५. महानगरपालिका को क्षेत्र में फैली गंदगी के संबंध में शिकायत पत्र

६. जन्मदिन की बधाई देने हेतु पत्र

७. पुस्तके मंगाने हेतू पत्र

८. औषधियां मंगाने हेतु पत्र

९. परीक्षा / स्पर्धा / प्रतियोगिता में प्रथम आने पर बधाई पत्र

१०. यात्रा संबंधी मार्गदर्शन पत्र

E-GUIDANCE

गद्य आकलन

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उस पर ऐसे ४ प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक एक वाक्य में हो |

राजा जनक अपने उपवन में टहल रहे थे | उनके मन में अनेक चिंताएं थी | अनेक प्रश्न उन्हें घेरे हुए थे | जिनका कोई स्पष्ट उत्तर खोजने में वह ऐसे निमग्न थे कि उनका जरा भी ध्यान उपवन की शोभा की ओर नहीं था | संध्या होने लगी थी | पक्षी दिन भर के श्रम से थके अपने बसेरों को लौट रहे थे | कुछ पक्षी पेड़ों की डालियों पर बैठे पंख पसार कर अपनी थकान उतार रहे थे | उनके चहचहाने से पूरा उपवन गूंज रहा था | राजा जनक के कानों तक कोई आवाज पहुंच नहीं रही थी | धीरे–धीरे अंधेरा घिरने लगा | राजा जनक अचानक सचेत हुए | ओह ! आज कितना अंधकार है | कौन सा दिन है आज ? क्या आज अमावस्या है ?

प्रश्न:

१. उपवन में कौन टहल रहा था ?

२. राजा जनक का ध्यान किस की शोभा की और नहीं था ?

३. पक्षी संध्या के समय कहाँ लौट रहे थे ?

४. राजा जनक के कानों तक क्या नहीं पहुँच रही थी ?

आकाश में ग्रहों का पता लगाना बहुत कठिन कार्य नहीं है यह सभी सूर्य के भ्रमण पद के आस–पास ही रहते हैं सूर्य आकाश में जिस मार्ग पर कि सकता दिखाई देता है उसे रविवार कहते हैं इस रविवार के 27 समान भाग नक्षत्र और 12 समान भाग राशियां है यह नक्षत्र या राशियां वर्तुल आकार के भाग हैं और इसलिए इन्हें विभाग आत्मक नक्षत्र अथवा राष्ट्रीय कहा जाता है इनके नाम भी इन विभागों के समीप आए हुए नक्षत्रों और राशियों के अनुसार हैं अधिक स्पष्टता के लिए इन दूसरे प्रकार के नक्षत्रों अथवा राशियों को तार आत्मक नक्षत्र है या राशिया कहा जाता है सूर्य चंद्रमा और ग्रह इन्हीं नक्षत्रों अथवा राशियों में से होकर गुजरते रहते हैं अमुक समय में आकाश में यह सभी दिखाई देंगे इनका दैनंदिन ब्यौरा अपने देसी पंचांग ओं में दिया जाता है जिनका आकाश के तारों से परिचय हैं ऐसे लोग स्थित ग्रहों को जट्ट पहचान लेते हैं

१.

२.

३.

४.

कहानी लेखन

निम्नलिखित मुद्दे के आधार पर लगभग 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए ।

मुद्दे: एक बारहसिंगा ..... पानी के लिए एक तालाब पर जाना ..... पानी में अपना प्रतिबिंब देखना ..... अपने सुंदर सींगो पर अभिमान ..... पतले पैरों पर खेद ..... कुत्तों के साथ शिकारी का आना ..... बारहसिंगे का भागना ..... झाड़ी में सींगों का फसना ..... परिणाम ..... सीख

बारहसिंगे के सींग और पाँव

एक बारहसिंगा था। एक बार वह तालाब के किनारे पानी पी रहा था। इतने में उसे पानी में अपना प्रतिबिंब दिखाई दिया। उसने मन–ही–मन सोचा, मेरे सींग कितने सुंदर हैं। किसी अन्य जानवर के सींग इतने सुंदर नहीं हैं। इसके बाद उसकी नजर अपने पैरों पर पड़ी। उसे बहुत दुख हुआ। मेरे पैर कितने दुबले–पतले और भद्दे हैं। तभी उसे थोड़ी दूर पर शिकारी कुत्तों की आवाज सुनाई दी।

बारहसिंगा डरकर तेजी से भागने लगा। उसने पीछे मुड़कर देखा। शिकारी कुत्ते उसका पीछा कर रहा थे। वह और तेज गति से भागने लगा। भागते–भागते वह शिकारी कुत्तों से बहुत दूर निकल गया। आगे एक घनघोर जंगल था। वहाँ पहुँचकर उसे कुछ राहत मिली।

वह अपनी गति धीमी कर सावधानी पूर्वक आगे बढ़ने लगा। एकाएक उसके सींग एक पेड़ की डालियों में उलझ गए। बारहसिंगे ने अपने सींग छुड़ाने की बहुत कोशिश की, पर वे नहीं निकले। उसने सोचा, ओह! मैं अपने दुबले–पतले और भद्दे पैरो को कोस रहा था। पर उन्हीं पैरों ने बाघ से बचने में मेरी मदद की मैंने अपने सुंदर सींगों की बहुत तारीफ की! पर ये ही सींग अब मेरी मृत्यु का कारण बनने वाले हैं। इतने में एक बाघ दौड़ता हुआ आ पहुँचा उसने बारहसिंगे को मार डाला।

शिक्षा –सुंदरता से उपयोगिता अधिक महत्त्वपूर्ण होती है।

विज्ञापन लेखन

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

सुरक्षा रक्षक चाहिए

'हमारा बैंक' के अलग-अलग शाखाओं के लिए एटीएम सुरक्षा रक्षक की आवश्यकता है |
इच्छुक व्यक्ति तुरंत संपर्क करें |

शैक्षणिक योग्यता : १० वीं / १२ वीं पास
आयु सीमा : कम से कम १८ वर्ष तथा अधिक से अधिक ३५ वर्ष
कालावधी : सुबह १० से शाम ८ बजे तक
संपर्क : सुरक्षा सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड ५१२, पोस्टल कॉलोनी चेंबूर
दूर भाषा : ०२२ – २७२३४५१
ईमेल आईडी: hamarabank@xyz.com

निम्नलिखित विषयों पर विज्ञापन लेखन का प्रश्न पूछा जा सकता है |

१. माध्यमिक शिक्षा की आवश्यकता है इस विषय पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए |
२. धुलाई के लिए प्रयोग किए जाने वाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए |

३. चेतक कंपनी के साइकिल का विज्ञापन तैयार कीजिए |

४. बाजार में बेचने हेतु एक सौंदर्य प्रसाधन क्रीम का प्रचार करने के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए |

५. मेगा मॉल ऑनलाइन शॉपिंग की वेबसाइट के लिए ऑफर का विज्ञापन तैयार कीजिए |

६. मंगल सफर एजेंसी का विज्ञापन तैयार कीजिए |

७. आपको अपना ऑफिस किराए पर देना है समाचार पत्र में विज्ञापन देने के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए |

निबंध लेखन
जल है, तो कल है

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहां की तक़रीबन आधी जनसँख्या अपने जीवन यापन के लिए कृषि पर निर्भर है, और कृषि पूर्णतया जल पर, जिस प्रकार भारत जल के संकट से जूझ रहा है वो दिन दूर नहीं जब हम आने वाले भविष्य की कल्पना भी नहीं कर पाएंगे। हम आज अपने मौलिक अधिकारों की बात तो करते है, पर क्या हमे अपने कर्त्वयों का बोध है ? महात्मा गाँधी ने कहा है कि अधिकार एवं कर्त्तव्य दोनों एक ही सिक्के के दो पहलु हैं यदि हम अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं तो हमे अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने में पीछे नहीं हटना चाहिए इसी सम्बन्ध में मुझे एक पुरानी किदवंती याद आ रही है एक कौआ प्यासा था घड़े में थोड़ा पानी था इस किदवंती में कौवा ने जिस प्रकार दो घूंट पानी के लिए संघर्ष किया था आज हमे भी उसी परिश्रम की आवश्यक्ता है अपनी अमूल्य धरोहर जल को बचाने के लिए।

एक सर्वे के अनुसार भारत के तीन शहर दिल्ली, अहमदाबाद, बैंगलोर में पानी का स्तर इतना काम हो गया था की 2020 तक ये तीनो राज्य जलविहीन हो जाते यदि इस बार की बारिश अच्छी नहीं हुई होती चूँकि इस बार मानसून अच्छा आया तो फ़िलहाल यह संकट दो वर्षो के लिए कुछ हद तक टल गया है,भारत में बहुत से ऐसे राज्य हैं जहाँ गर्मी के मौषम में जल संकट हो जाता है और वहां के लोगो को जल खरीदना पड़ता है कैसी विडम्वना है जल जो प्रकृति द्वारा हमे निशुल्क प्रदत है आज हमे उसे खरीदना पड़ रहा है इस विषय पे गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

हम ये तो जानते है की जल ही जीवन है पर क्या हम ये मानते है ? क्या हमने कभी स्वयं से ये प्रश्न किया है कि हमारे जीवन में जल क्या महत्त्व है? एक पुरानी कहावत है की बून्द बून्द से सागर भरता है यदि बून्द बून्द से सागर भरता है तो वो ख़तम भी हो सकता है अगर हम उसको बर्बाद करते हैं।

बहुत सी ऐसी सामाजिक संस्थाए हैं जो जल संरक्षण की ओर अपना प्रयास कर रही हैं और सफल भी हो रही हैं ,वे जनता को जल बचाने के प्रति जागरूक भी कर रही हैं एवं ऐसे आयामों की व्यवस्था भी कर रही हैं जिससे वर्षा के पानी को इक्क्ठा करके जल संकट से निपटा जाये| कहते हैं शिशु की प्रारंभिक पाठशाला घर से शुरू होती है हमे सर्वप्रथम स्वयं को एवं अपने परिवार को शिक्षित करना होगा और उन्हें बताना होगा की जल की बर्बादी को कैसे रोका जाये हम अपने घरो में नहाने के लिए झरनो के स्थान पे बाल्टी का प्रयोग, ब्रश करते समय नल को बंद रखने के इत्यादि तरीको से पानी को बर्बाद होने से बचा सकते हैं आजकल शहरी इलाको में शुद्ध पानी के लिए लोग अपने घरो में वाटर पूरिफिएर का प्रयोग करते है। वाटर पूरिफिएर से निकला अशुद्ध पानी एक पाइप के रास्ते नाली में गिरता है यदि हम उस पानी को किसी पात्र में इक्कठा कर लो तो उसका उपयोग हम स्नान करने एवं ब्रश करने में कर सकते हैं इन छोटे छोटे प्रयोगो से हम जल बर्बाद होने से बचा सकते हैं।

एक दूसरा तथ्य यह भी है की जो जल आज हम अपने लिए प्रयोग करते हैं वो प्रदूषण–रहित होना चाहिए। प्रदूषित जल को पीने की वजह से आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो को गंभीर रोगो का सामना करना पड़ता है, आज हम जिस वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहे हैं वहां प्रदुषण का स्तर इतना बढ़ गया है की न तो वायु शुद्ध है और ना ही जल, वर्त्तमान परिस्थिति में इन संकटो से लड़ने के लिए जागरूक रहने की आवश्यकता है ऐसा नहीं है की लोग जागरूक नहीं है बहुत से लोग इन समस्याओ से लड़ रहे हैं और उनका जीवन हमे इस बात की प्रेरणा देता है की हमे भी स्वयं को जागरूक रखते हुए उनका साथ देना चाहिए।

एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक ने कहा है की आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है, यदि हम ये मानते है की जल है तो कल है, हमे अविष्कार करने होंगे अविष्कार से मेरा तात्पर्य यहाँ वैज्ञानिक अविष्कार नहीं अपितु वैचारिक अविष्कार जिससे हम जल ही जीवन के महत्त्व को स्वीकारते हुए जल के संवर्धन को अपना परम कर्त्तव्य मानते हुए समाज को शिक्षित करे एवं अपनी वर्त्तमान और आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन दे सके ।

निबंध लेखन

१. आत्मकथा आत्मक निबंध

फटी पुस्तक की आत्मकथा
फूल की आत्मकथा
पेड़ की आत्मकथा

२. वैचारिक निबंध

समाचार पत्र की आवश्यकता
विज्ञान के चमत्कार

३.वर्णनात्मक निबंध

ऐतिहासिक स्थल की सैर
नदी किनारे दो घंटे
मेले में दो घंटे
विज्ञान प्रदर्शनी में दो घंटे

४. चरित्रात्मक निबंध

मेरा प्रिय खिलाड़ी
मेरा प्रिय नेता
मेरा प्रिय शिक्षक

५. कल्पना प्रधान निबंध

यदि मोबाइल न होता
यदि मेरे पंख होते
यदि मैं प्रधान मंत्री होता

E-GUIDANCE

धन्यवाद

E-GUIDANCE

मुनव्वर मालिक

मुंबई उर्दू हायस्कूल, अंधेरी (प)

9768205400